



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 198]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 1, 2015/चैत्र 11, 1937

No. 198]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 1, 2015 /CHAITRA 11, 1937

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 2015

सं. 18/2015-केंद्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 250 (अ). – अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) तथा अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (कपड़ा तथा कपड़े की वस्तुएं) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार इस बात से संतुष्ट होने पर कि ऐसा करना लोकहित में अनिवार्य है, एतद्वारा केंद्रीय उत्पादशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम और द्वितीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट माल को, विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 5.12 जिसमें पूरा किए गए निर्यात दायित्व के अनुपात में शुल्क में वापसी का प्रावधान है, के अनुसार किसी क्षेत्रीय प्राधिकारी द्वारा जारी निर्यात उपरान्त ईपीसीजी ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप (एतश्मिन पश्चात जिसे उक्त स्क्रिप के रूप में संदर्भित है) के संबंध में निकासी दिए जाने पर निम्नलिखित से छूट प्रदान करती है:-

- (i) केंद्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम और द्वितीय अनुसूची के तहत उस पर उद्बहणीय समस्त उत्पाद शुल्क से;
- (ii) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 के तहत उस पर उद्बहणीय समस्त अतिरिक्त उत्पाद शुल्क से; और
- (iii) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (कपड़ा तथा कपड़े की वस्तुएं) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 के तहत उस पर उद्बहणीय समस्त अतिरिक्त उत्पाद शुल्क से।

2. यह छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी, नामश:-

(क) यह कि अधिसूचना सं. 17/2015- सीमाशुल्क, दिनांक 1 अप्रैल, 2015, के पैराग्राफ 2 में विनिर्दिष्ट शर्तों (1) से (14) का पालन किया गया है और कथित स्क्रिप पंजीकरण की निर्दिष्ट पट्टन पर सीमाशुल्क प्राधिकारी के द्वारा पंजीकृत है (एतश्मिन पश्चात जिसे कथित सीमाशुल्क अधिकारी कहा गया है);

(ख) यह कि उक्त स्क्रिप का धारक, जो ऐसा व्यक्ति हो सकता है जिसे स्क्रिप मूलतः जारी की गयी थी या हस्तांतरण धारी हो, कथित स्क्रिप को कथित सीमाशुल्क अधिकारी को आपूर्तिकर्ता या विनिर्माता से पत्र या प्रोफार्मा बीजक के साथ प्रस्तुत करे जिसमें उसके क्षेत्राधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी (एतश्मिन पश्चात् जिसे कथित अधिकारी कहा गया है) के क्षेत्राधिकार के ब्यौरे हों तथा इस छूट के तहत निकासी किए जाने वाले माल का विवरण, मात्रा, मूल्य एवं उस पर उद्घटनीय शुल्कों के ब्यौरे हों;

(ग) यह कि कथित सीमाशुल्क प्राधिकारी, अधिसूचना सं. 17/2015-सीमाशुल्क, दिनांक 1 अप्रैल, 2015 के तहत किए गए आयात में किए गए डेबिट तथा इस छूट को ध्यान में रखते हुए उक्त स्क्रिप में या उसके पीछे उद्घटनीय शुल्कों को इस छूट के तहत नामे (डेबिट) करता है, उस पर आवश्यक ब्यौरे भी लिखता है, अपने अभिलेखों को अद्यतन करता है, तथा इन कार्रवाइयों की लिखित सलाह कथित अधिकारी को भेजता है;

(घ) उक्त स्क्रिप की वैधता उसके जारी होने के अट्टाटारह महीने तक रहेगी तथा उक्त स्क्रिप उस तारीख को वैध हो जब ड्यूटी का वास्तविक डेबिट हुआ हो;

(ङ.) यह कि निकासी के समय, स्क्रिप का धारक कथित सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा नामे की गयी उक्त स्क्रिप को उक्त अधिकारी के समक्ष उक्त अधिकारी को संबोधित एक वचनपत्र के साथ प्रस्तुत करता है कि उक्त स्क्रिप में किसी धनराशि के कम नामे होने के मामले में वह मांग करने पर कम नामे की धनराशि के बराबर धन लागू ब्याज के साथ अदा करेगा;

(च) यह कि कथित लिखित सलाह और वचनपत्र के आधार पर, उक्त अधिकारी निकासी के ब्यौरों को पृष्ठांकित करता है तथा उक्त स्क्रिप के पीछे, इस छूट के तहत, उद्घटनीय शुल्कों का वैधयन करता है जिसे कथित सीमा शुल्क अधिकारी द्वारा नामे किया गया, तथा ऐसी निकासियों का एक अभिलेख रखता है;

(छ) यह कि विनिर्माता इस अधिसूचना के तहत निकासी के समर्थन में, कथित सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा नामे किए गए तथा उक्त अधिकारी द्वारा पृष्ठांकित एवं उक्त स्क्रिप के धारक द्वारा विधिवत सत्यापित उक्त स्क्रिप की एक प्रतिलिपि रखता है; और

(ज) यह कि उक्त स्क्रिप का धारक, जिसे माल की निकासी की गयी थी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम और द्वितीय अनुसूची, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3, तथा अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (कपड़ा तथा कपड़े की वस्तुएं) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 के तहत उस पर उद्घटनीय उत्पाद शुल्क पर, उक्त स्क्रिप में नामे की गयी तथा निकासी के समय वैधकृत धनराशि के समक्ष प्रतिअदायगी या सेनवेट क्रेडिट का लाभ लेने का पात्र होगा।

स्पष्टीकरण - इस अधिसूचना के प्रयोजनों से,-

(क) "निर्यात दायित्व" का मतलब अधिसूचना सं. 17/2015-सीमा शुल्क, दिनांक 1 अप्रैल, 2015 में दिए जैसा होगा;

(ख) "विदेश व्यापार नीति" से अभिप्राय विदेश व्यापार नीति, 2015-2020 से है जिसका प्रकाशन भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने अधिसूचना सं. 01/2015-2020, दिनांक 1 अप्रैल, 2015 समय समय पर यथासंशोधित, के द्वारा किया है;

(ग) "क्षेत्रीय प्राधिकारी" से अभिप्राय उस विदेश व्यापार महानिदेशक से है जिसकी नियुक्ति विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 का 22) की धारा 6 के अंतर्गत की गई है या ऐसे अधिकारी से है जिसे उसके द्वारा इस अधिनियम के अंतर्गत प्राधिकार प्रदान करने के लिए प्राधिकृत किया गया हो;

[फा.सं. 605/55/2014-डी बी के]

संजय कुमार अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st April, 2015

No. 18/ 2015 – Central Excise

G.S.R. 250(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978), the Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in the First Schedule and the Second Schedule to the Central

Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), when cleared against a Post Export EPCG duty credit scrip issued by the Regional Authority in accordance with paragraph 5.12 of the Foreign Trade Policy which provides for duty remission in proportion to export obligation fulfilled (hereinafter referred to as the said scrip) from,-

(i) the whole of the duty of excise leviable thereon under the First Schedule and the Second Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986);

(ii) the whole of the additional duty of excise leviable thereon under section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957); and

(iii) the whole of the additional duty of excise leviable thereon under section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978).

2. The exemption shall be subject to the following conditions, namely:—

(a) that the conditions (1) to (14) specified in paragraph 2 of the Notification No. 17/ 2015 – Customs, dated the 1st April, 2015 are complied and the said scrip has been registered by the Customs authority at the specified port of registration (hereinafter referred as the said Customs authority);

(b) that the holder of the scrip, who may either be the person to whom the scrip was originally issued or a transferee-holder, presents the said scrip to the said Customs authority along with a letter or proforma invoice from the supplier or manufacturer indicating details of its jurisdictional Central Excise Officer (hereinafter referred as the said Officer) and the description, quantity, value of the goods to be cleared and the duties leviable thereon, but for this exemption;

(c) that the said Customs authority, taking into account the debits already made towards imports under Notification No.17/ 2015 – Customs, dated the 1st April, 2015, and this exemption, debits the duties leviable, but for this exemption in or on the reverse of the said scrip and also mentions the necessary details thereon, updates its own records and sends written advice of these actions to the said Officer;

(d) that the validity of the said scrip shall be eighteen months from the date of issue and the said scrip shall be valid on the date on which the above debit of duty is made;

(e) that at the time of clearance, the holder of the scrip presents the said scrip debited by the said Customs authority to the said Officer along with an undertaking addressed to the said Officer that in case of any amount short debited in the said scrip he shall pay on demand an amount equal to the short debit, along with applicable interest;

(f) that based on the said written advice and undertaking, the said Officer endorses the clearance particulars and validates, on the reverse of the said scrip, the details of the duties leviable, but for this exemption, which were debited by the said Customs authority, and keeps a record of such clearances;

(g) that the manufacturer retains a copy of the said scrip, debited by the said Customs authority and endorsed by the said Officer and duly attested by the holder of the scrip, in support of the clearance under this notification; and

(h) that the said holder of the scrip, to whom the goods were cleared, shall be entitled to avail the drawback or CENVAT credit of the duties of excise leviable under the First Schedule and the Second Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978), against the amount debited in the said scrip and validated at the time of clearance.

Explanation - For the purposes of this notification,-

(A) "Export obligation" shall have the same meaning as specified in Notification No.17/ 2015 – Customs, dated the 1st April, 2015;

(B) "Foreign Trade Policy" means the Foreign Trade Policy, 2015-2020, published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry vide notification No. 01/2015-2020, dated the 1st April 2015 as amended from time to time;

(C) "Regional Authority" means the Director General of Foreign Trade appointed under section 6 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992) or an officer authorised by him to grant an authorisation, including a duty credit scrip under the said Act.

[F. No. 605/55/2014-DBK]
SANJAY KUMAR, Under Secy.